देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

इजराइल चुनाव में बेंजामिन नेतन्याहू की जीत 12

बांग्लादेश से अपनी प्रेमिका से मिलने आया युवक.. 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 25
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
शनिवार | 05 नवम्बर, 2022

किसानों को पराली न जलाने के लिए किया गया जागरूक

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

कृषि विज्ञान केन्द्र दलीप नगर कानपुर पर फसल अवशेष प्रबन्धन के अन्तर्गत धान की पराली प्रबन्धन पर बीते दिन शुक्रवार को हुई एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन पूसा नई दिल्ली से ऑनलाइन के माध्यम से हुआ। जिसमें कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, कृषि वैज्ञानिक एवं किसानों के द्वारा पिछले वर्षों में डीकम्पोजर के धान की पुआल पर किये गये प्रयोग के अनुभव साझा किए गए।

कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने भारत सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन के लिए विभिन्न मशीनों एवं योजनाओं की जानकारी दी। कार्यशाला में कृषि वैज्ञानिक द्वारा किसानों को धान की फसल कटने के बाद धान की पराली को न जलाकर उस पर डीकम्पोजर का छिड़काव करने की सलाह दी गई। उन्होंने बताया कि इससे भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहती है और अधिक उत्पादन प्राप्त होता है। इस दौरान कार्यशाला में कृषि विज्ञान केन्द्र का समस्त स्टाफ, बलॉक मैथा, रसूलाबाद के 105 कृषकों ने भाग लिया।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:13 | अंक:258 | देहरादून, शुक्रवार, 04 नवंबर, 2022 | पृष्ठ:08

फसल अवशेष प्रबंधन पर एक दिवसीय वर्चुअल वर्कशाप

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः कृषि विज्ञान केन्द्र दलीप नगर कानपुर पर फसल अवशेष प्रबन्धन के अन्तर्गत धान की पराली प्रबन्धन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन पूसा नई दिल्ली से ऑनलाइन के माध्यम से सीधा प्रसारण केवीके पर 105 किसानों को दिखाया गया जिसमें मा.कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, कृषि वैज्ञानिक एवं किसानों के द्वारा गत वर्षों में डीकम्पोजर का धान की पुआल पर किये गये प्रयोग के अनुभव साझा किये जिसका परिणाम गेहूँ की फसल पर 15 प्रतिशत अधिक पैदावार प्राप्त हुई, एक सिचाई की बचत हुई तथा भूमि में कार्बनिक पदार्थ 0.3 प्रतिशत से बढकर 0.4 प्रतिशत हो गया। धान की पुआल जलाने के दुष्परिणाम फसल, वातावरण एवं मृदा उर्वरता पर स्पष्ट दिखाई दिये। मा. कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी के द्वारा भारत सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन हेतु विभिन्न मशीनों एवं योजनाओं की जानकारी दी। कार्यशाला में कृषि वैज्ञानिक द्वारा समझाया गया कि किसान भाई धान की फसल कटने के बाद धान की पराली को न जलाकर बल्कि उस पर डीकम्पोजर का छिड़काव करें जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहें और भरपूर उत्पादन प्राप्त हो इस कार्यशाला में कृषि विज्ञान केन्द्र का समस्त स्टाफ, ब्लॉक मैथा, रसूलाबाद के 105 कृषकों ने भाग लिया एवं फसल अवशेष को सढ़ाने का संकल्प लिया इस कार्यक्रम में डॉ रामप्रकाश, डॉ अजय कुमार सिंह, डॉ खलील खान, डॉक्टर शशिकांत, डॉक्टर निमिषा अवस्थी, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह एवं डॉक्टर विनोद प्रकाश सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

वर्ष 16 अंक 301 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, शनिवार 05 नवम्बर 2022

कानपुर व उन्नाव से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....

फसल अवशेष प्रबंधन पर हुई एक दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला

➤कृषि विज्ञान केंद्र पर किसानों ने देखा सीधा प्रसारण

कानपुर (नगर छाया समाचार)। कृषि विज्ञान केन्द्र दलीप नगर कानपुर पर फसल अवशेष प्रबन्धन के अन्तर्गत धान की पराली प्रबन्धन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन पूसा नई दिल्ली से ऑनलाइन के माध्यम से सीधा प्रसारण के0वी0के0 पर 105 किसानों को दिखाया गया। जिसमें मा.कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, कृषि वैज्ञानिक एवं किसानों के द्वारा गत वर्षों में डीकम्पोजर का धान की पुआल पर किये गये प्रयोग के अनुभव साझा किये। जिसका परिणाम गेहूँ की फसल पर 15 प्रतिशत अधिक पैदावार प्राप्त हुई, एक सिचाई की बचत हुई तथा भूमि में कार्बनिक पदार्थ 0.3 प्रतिशत से बढ़कर 0.4 प्रतिशत हो गया। धान की पुआल जलाने के दुष्परिणाम फसल, वातावरण एवं मृदा उर्वरता पर स्पष्ट दिखाई दिये। मा. कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी के द्वारा भारत सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन हेतु विभिन्न मशीनों एवं योजनाओं की जानकारी दी। इस कार्यशाला में कृषि वैज्ञानिक द्वारा समझाया गया कि किसान भाई धान की फसल कटने के बाद धान की पराली को न जलाकर बल्कि उस पर डीकम्पोजर का छिड़काव करें। जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहें और भरपूर उत्पादन प्राप्त हो।

इस कार्यशाला में कृषि विज्ञान केन्द्र का समस्त स्टाफ, ब्लॉक मैथा, रसूलाबाद के 105 कृषकों ने भाग लिया एवं फसल अवशेष को सढ़ाने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में डॉ रामप्रकाश, डॉ अजय कुमार सिंह, डॉ खलील खान, डॉक्टर शशिकांत, डॉक्टर निमिषा अवस्थी, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह एवं डॉक्टर विनोद प्रकाश सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।